पश्चिमी उ0प्र0 मेंफसलविविधीकरणपरियोजना

सफलता की कहानियाँ

ज्ञानेन्द्र सिंह, पुत्र श्री जंगबहादुर सिंह, ग्राम रायपुरखस, विकास खण्ड फरीदपुर, (बाजरा प्रदर्शन)

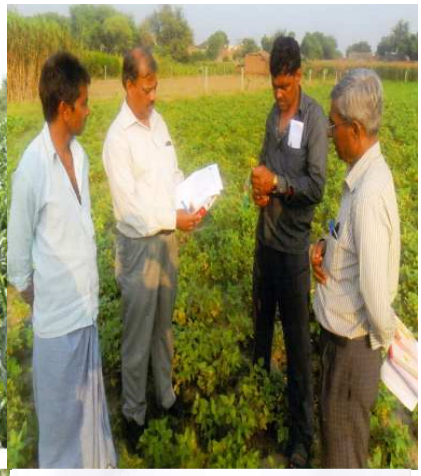

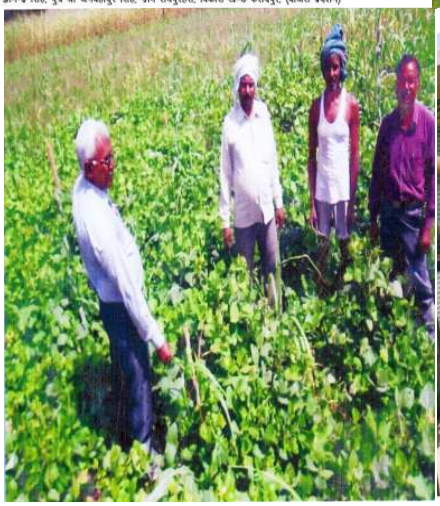

प्रोजेक्टकोआर्डिनेशन यूनिट, यूपीडास्प, उ.प्र.

चतुर्थतल, पिकपभवन, विभूति खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ–226 010
पी.बी.एक्स:2720718,फैक्स:2720837 / 2721957
Email:- updasp12@Gmail.com Toll Free No. 1800.1800.118
Website- www.updasp.org

सफलता की कहानियाँ

प्रकाशक

प्रोजेक्टकोऑर्डिनेशन यूनिट, यूपीडास्प
उत्तरप्रदेश लखनऊ

परिकल्पना

- **डॉ0 सुधीर एम0 बोबड़े**
  आई.ए.एस
  परियोजनासमन्वयक

तकनीकीनिर्देशन

- **डॉ0 वी0 एस0 चन्देल**
  तकनीकीसमन्वयक

संकलन एवंप्रस्तुति

- **राजेशकुमारगुप्ता**
  प्रभारीमीडिया

- **श्रीमतीअंजनावर्मा**
  तकनीकीविशेषज्ञ (मत्स्य)

- **डा0 राजीव**
  तकनीकीविशेषज्ञ
  (पशुपालन एवंडेयरी विकास)

प्रस्तुतिसहयोग

- **रामबिलासवर्मा**

- **मो0 साबिकसिद्दीकी**

संस्करण

जुलाई, 2017

डॉ0 सुधीर एम0 बोबड़े
(आई.ए.एस)

प्रमुख सचिव समन्वय, उ.प्र. शासन एवं
परियोजना समन्वयक, यूपीडास्प

प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेशन यूनिट, यूपीडास्प
चतुर्थ तल, बी ब्लॉक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226010
दूरभाष कार्यालय : 0522–2720682,
फैक्स : 0522–2721957
पी.बी.एक्स : 0522–2720718
ई–मेलः updasp12@gmail.com

दो शब्द

प्रथम हरित क्रांति क्षेत्रों यथा पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भूगर्भ जल का स्तर निरन्तर गिर रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 170 विकास खण्डों में अति दोहित, (42), क्रिटिकल (02) व सेमी क्रिटिकल (24) विकास खण्ड सम्मिलित हैं। अतः अत्य अधिक जल उपयोग करने वाली प्रमुख फसल धान के क्षेत्र कों एक सीमा तक, अन्य फसलों यथा मक्का, उर्द, मूंग तथा कृषि वानिकी से प्रतिस्थापित/विविधीकृत किये जाने की आवश्यकता महसूस की गयी।

वर्तमान में धान–गेहूँ फसल चक्र में उत्पादन/उत्पादकता में स्थिरता/कमी के साथ ही शुद्ध लाभ में गिरावट दृष्टव्य है। किसानों की आय वृद्धि हेतु, धान के स्थान पर वैकल्पिक फसल चक्र को अपनाने एवं कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिये **फसल विविधीकरण परियोजना,** प्रदेश की कृषि विविधीकरण हेतु नामित संस्था "परियोजना समन्वय इकाई, यू0पी0 डास्प, लखनऊ द्वारा क्रियान्वित करायी जा रही है। सामयिक महत्व की इस **योजना** को भारत सरकार के वित्त पोषण से पश्चिमी उ0प्र0 के 11 जनपदों में चलाया जा रहा है।

परियोजना में कृषक आय में गुणात्मक सुधार हेतु कृषि वानिकी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। आशा है कि कृषकों की आय दोगुना करने के उद्देश्य से यह योजना लाभकारी सिद्ध होगी।

योजना के लाभार्थियों के कुछ अनुभव सफलता की कहानियों के रूप में संकलित किये गये हैं। आशा है यह संकलन अन्य कृषकों हेतु प्रेरणादायक होगा।

इस प्रकाशन की सफलता के लिए मेरी शुभकामनायें।

01/8/17

(डॉ0 सुधीर एम0 बोबड़े)

सफलता की कहानी–01
(स्ट्रा–रीपर लाभार्थी)

मै, त्रिलोक चन्द्र शर्मा, गाँव–सोंगरा, विकास खण्ड–जवॉ, तहसील–कोल, जिला–अलीगढ़ का रहने वाला हूँ।मेरी शैक्षिक योग्यता बी0एस0सी0 है। मेरे पास 2.50 हे0 खेती की जमीन है। मैं क्वार्सी फार्म अलीगढ़ में डास्प परियोजना के कृषि यन्त्र वितरण कार्यक्रम एवं गोष्ठी में शामिल हुआ था, जिसमें वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों द्वारा बताया गया कि फसल अवशेषों को खेत में जलाने पर मृदा उर्वरा शक्ति नष्ट होती है तथा वायु प्रदूषण फैलने के साथ–साथ पशुओं हेतु उपयोगी भूसा भी नष्ट हो जाता है। जबकि स्ट्रा–रीपर ऐसी मशीन है जिसकी मदद से फसल अवशेषों को भूसे में बदला जा सकता है। अतः दी गयी जानकारी के अनुसार मैने स्ट्रा–रीपर मशीन अनुदान पर क्रय करने हेतु आवेदन पत्र जमा किया।मुझे आवेदन पत्र के पंजीकरण एवं स्वीकृति का सन्देश मोबाइल पर मिला। जिसके बाद मैने स्ट्रा–रीपर मशीन रुपये 245000.00 में क्रय की ।

मैंने 10 अप्रैल, 2016 से कम्बाइन मशीन द्वारा गेहूँ कटाई कराने वाले कृषकों के खेतों पर,रुपये 1000.00 प्रति ट्राली की दर सेभूसाबनाना शुरु किया। 12 मई, 2016 तक, 250 ट्राली भूसा तैयार करने सेमुझे रुपये 250000.00 की आमदनी हुई।जिसमें से रुपये 105000.00 का परिचालन व्यय काटने के उपरान्त रुपये 145000.00 का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। रीपर के अनुदान की धनराशि रुपये 44000.00मेरे बैंक खाते में सीधे आयी। जितना पैसा मैने रीपर के क्रय पर लगाया था, वह पूरा का पूरा पैसा मुझे इसी वर्ष एक सीजन में ही वापस मिल गया।वास्तव में किसान भाइयों के लिए यह एक बहुत ही उपयोगी मशीन है। कम्बाइन से गेंहूँ कटाई के बाद किसान भाई खेतों में खड़ें अवशेष गेंहूँ के तनों (लॉक) में आग लगा देते थे, जो कि अब ऐसा नही कर रहे हैं।इससे वातावरण में प्रदूषण कम हो रहा है, एवं खेतो में फसलों के अवशेष मिट्टी में दबने से भूमि में जीवांश की भी वृद्वि होगी, तथा भूमि की उर्वरा शक्ति भी बढ़ेगी।

आय–व्यय का विवरण
:

विवरण	आय(रू0)	लागत मूल्य(रू0) (परिचालन व्यय)	शुद्ध लाभ (रू0)
250 ट्रॉली भूसा	@रू0 1000.00 प्रति ट्रॉली250000.00	105000.00	145000.00

कृषक का नाम	:	त्रिलोक चन्द्र शर्मा	कुल जोत, क्षेत्रफल (हे0): 2.50 हे0
पिता का नाम	:	स्व0 रामफल शर्मा	
ग्राम का नाम	:	सोंगरा	
विकास खण्ड	:	जवॉ	
तहसील	:	कोल	
जनपद	:	अलीगढ़	
मोबाइल	:	8755169113	

सफलता की कहानी–02
(स्ट्रा–रीपर लाभार्थी)

मै, दीपक तिवारी निवासी, गाँव–नदरोई ब्लाक–लोधा, जनपद–अलीगढ़ का कृषक हूँ। मेरे पास खेती की लगभग 2.0 एकड़ जमीन हैं।मेरे पास खेती की जमीन कम होने के कारण खेती से उचित लाभ नही मिल पा रहा था। यूपीडास्प योजना की जानकारी समाचार पत्रों एवं गोष्ठियों से मिलने पर मैं यूपी डास्प योजना से जुड़ा। मुझे गेंहूँ का भूसा बनाने वाली स्ट्रा–रीपर मशीन अनुदान पर मिलने के बारे में जानकारी मिली। मशीन मुझे अच्छी लगी। मैंने यू0पी डास्प कार्यालय से विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के उपरान्त, आवेदन पत्र पूर्णकर चाहे गये कागजात लगाकर कार्यालय में जमा कर दिया। कुछ समय बाद मेरे मोबाईल पर पंजीकरण का मैसेज आया और बाद में मुझे रीपर मशीन अनुदान पर क्रय करने हेतु मन्जूरी की जानकारी मिली। इसके बाद मैंने स्ट्रा–रीपर मशीन रू0 232000.00में खरीदी जिसका सत्यापन कृषक गोष्ठी "कृष्णांजली" अलीगढ़ में अधिकारियो एंव मा0 मंत्री जी के द्वारा किया गया। मैंने कम्बाइन मशीन से गेंहूँ कटाई के खेतों में प्रति ट्राली रू0 800.00 की दर से भूसा बनाना शुरू किया। भूसा बनाने से लगभग 150000.00 रूपये की आमदनी हुई।मशीन को चलाने में डीजल एवंपरिचालन व्यय तथा मजदूरी का खर्चकरीबरू0 60000.00 आया जिसे घटाने के बाद मुझे लगभग रू0 90000.00 का शुद्ध मुनाफा मिला।इसके अतिरिक्त अनुदान की धनराशि रू0 44000.00 यू0पी0 डास्प योजना से सीधे मेरे बैंक खाते में आयी। मेरे जैसे युवा कृषकों हेतु अपना कार्य करने एवं दूसरे कृषकों का कार्य करने हेतु यह बहुत अच्छी मशीन है। रीपर मशीन से कार्य कर थोड़े समय में अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है। रीपर मशीन से बने भूसा की गुणवत्ता अच्छी है जिसको किसानों द्वारा पसन्द किया जा रहा है। स्ट्रा–रीपर मशीन से बने भूसे को पशु भी बड़े चाव से खाते हैं।

विवरण	आय (रू0)	लागत मूल्य(रू0) (परिचालन व्यय)	शुद्ध लाभ(रू0)
187 ट्राली भूसा	@800/– प्रति ट्रॉली150000.00	60000.00	90000.00

कृषक का नाम : दीपक तिवारी
पिता का नाम : ओम प्रकाश तिवारी
ग्राम का नाम : नदरोई
विकास खण्ड : लोधा
तहसील : कोल
जनपद : अलीगढ़
मोबाइल संख्या : 8273455855
कुल जोत क्षेत्रफल : 2.0 एकड़

सफलता की कहानी–03
(उर्द–प्रदर्शन लाभार्थी)

मैंनेखरीफ वर्ष–2015 में धान की फसल के स्थान पर 2 हे0 में उर्द की फसल बोयी। उर्द फसल प्रदर्शन हेतु बीज, जैव उर्वरक, ट्राइकोडरमा, पैण्डीमेथिलीन डास्प योजना द्वारा उपलब्ध कराया गया। मुझे इस फसल से 25कु0 उत्पादन मिला जो मण्डी में रू0 9800.00 प्रति कु0 की दर से बेचा गया जिससे रू0 245000.00 की धनराशि प्राप्त हुई।विगत वर्षइसी क्षेत्रफल में धान की फसल से 80 कु0 की पैदावार प्राप्त हुई थी। जो मण्डी मेंरू0 1800.00 प्रति कु0 के हिसाब सें कुल रू0 144000.00में बिकी थी।पिछले वर्ष धान की 2.0 हे0 फसल पर लागतरू0 44000.00 रूपये आई थी, जबकि उर्द फसल के समान क्षेत्रफल 2.0 हे0 पर कुल उत्पादन लागत लगभग रू0 29000.00 रही। इस प्रकार जहां पिछले वर्ष धान की फसल से लागत घटाने पर रू0 100000.00 का शुद्व लाभ प्राप्त हुआ था वहीं इस वर्ष उर्द की फसल से लागत घटा कर रू0 216000.00 का शुद्व लाभ प्राप्त हुआ। इस प्रकार धान की फसल के स्थान पर उर्द की फसल लेने से दोगुना लाभ प्राप्त हुआ। इसके बाद डास्प योजना द्वारा ही खेत की मेड़ों पर पॉपलर पौधो का रोपण भी किया गया हैं। पौधे अच्छी प्रकार से चल रहे हैं इससे भी लाभ होने की उम्मीद है। डास्प योजना से कृषि यन्त्र लेजर लेवलर अनुदान पर क्रय किया गया है जिससे मुझे एवं सभी गाँववासियों को लाभ मिल रहा है। जिससे मुझें अच्छी आमदनी भी हो रही है।

फसल	आय	लागत मूल्य	शुद्ध लाभ
उर्द – कुल उत्पादन– 12.5 कु0 / हे0	दर @Rs.9800 / कु0 रू0 122500.00 / हे0	रू014500. 00 / हे0	रू0108000.00 / हे0
धान– कुल उत्पादन– 40कु0 / हे0	दर@Rs.1800 / कु0 रू0 72000.00 / हे0	रू0 22000.00 / हे0	रू0 50000.00 / हे0
उर्द की फसल से अतिरिक्त लाभ			रू0 58000.00 / हे0

कृषक का नाम : कृपाल सिंह
पिता का नाम : मोहन सिह
ग्राम का नाम : बैजला
विकास खण्ड : अतरौली
तहसील : अतरौली
जनपद : अलीगढ़।
मोबाइल संख्या : 9719128625
कुलजोत (क्षेत्रफल हे0): 2.0 हे0

सफलता की कहानी–04
(उर्द–प्रदर्शन लाभार्थी)

फसल विविधीकरण सम्बन्धी डास्प योजना के सम्पर्क में आने से पहले मैं अपने खेतों में धान की फसल लगाता था। डास्प अधिकरियों व सहायक विकास अधिकारी कृषि द्वारा बताया गया कि दलहन फसलें, धान की तुलना में अधिक लाभकारी हैं साथ ही इनमें पानी की खपत भी कम है। अतः मैंने अपने खेत में धान की फसल ना लगा कर उर्द की फसल की 1.5 हे0 क्षेत्रफल में बुआई की जिसका बीज व जैव उर्वरक, ट्राइकोडरमा, पैण्डीमेथिलीन योजना द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराया गया।मुझे 18कु0 उत्पादन प्राप्त हुआ जो मण्डी में रू0 9200.00 प्रति कु0 की दर सेकुल रू0 165600.00 में बेचा गया। इस फसल को पैदा करने में रू0 20000का खर्च आया। इस प्रकार रू0 145600.00 शुद्वलाभ प्राप्त हुआ।पिछले वर्ष धान की फसल से 1.50 हे0 में 56.00कु0 धान का प्राप्त हुआ था जिसे मण्डी में रू0 1500.00 प्रति कु0 की दर से बेचने परकुल रू0 84000.00 प्राप्त हुआ था। धान के उत्पादन में लगभग रू0 28600.00की लागत आई थी। इस प्रकार धान से शुद्ध लाभ रू0 55400.00 हुआ, जो उर्द की फसल की अपेक्षा काफी कम हैं। मैंने डास्प योजना द्वारा जगह–जगह दिये गये प्रशिक्षणों मेंएवं बरेली,पंतनगर में आयोजित मेलों में प्रतिभा कर काफी अच्छी जानकारी प्राप्त की। जिससे मुझे एवं मेरे गाँव के किसानों को काफी लाभ मिला है।

फसल	आय	लागत मूल्य	शुद्ध लाभ
उर्द– कुल उत्पादन– 12 कु0/हे0	@Rs.9200/कु0 रू0 1,10,400.00/हे0	रू0 13300.00/हे0	रू0 97100.00/हे0
धान– कुल उत्पादन– 37 कु0/हे0	@Rs.1500/–प्रति कु0 रू0 55,500.00/हे0	रू0 19100.00/हे0	रू0 36,400.00/हे0
उर्द की फसल से अतिरिक्त लाभ			60700.00

कृषक का नामः अफसर खां
पिता का नाम : अलहदाद खा
ग्राम का नाम : पनेहरा
विकास खण्ड : अतरौली
तहसील : अतरौली
जनपद : अलीगढ़।
मोबाइल संख्या :9690591690
कुलजोत (क्षेत्रफल हे0):1.5 हे0

सफलता की कहानी–05
(उर्द–प्रदर्शन लाभार्थी)

मैंहीरेश कुमार शर्मा अपने खेत में पहले धान की फसल लगाता था। मुझे डास्प योजना के बारे में, अपर जिला कृषि अधिकारी, श्री वी0के0 शर्मा जी के द्वारा जानकारी मिली।इनके द्वारा कम पानी चाहने वाली फसलों का उत्पादन किये जाने से होने वाले फायदों के बारे में अवगत कराया गया।यह भी बताया गया कि धान के स्थान पर मूँग की खेती करने से अधिक लाभ होगा तथा लागत में भी कमी आयेगी और दलहन फसल के करने से मिट्टी में नाइट्रोजन की मात्रा भी बढ़ेगी। जिसके बाद मैंने धान के स्थान पर 1.0हे0 क्षेत्रफल में मूँग की खेती की। बीज व जैव उर्वरक, ट्राइकोडरमा, पैण्डीमेथिलीन योजना द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराया गया।योजनान्तर्गत दिये गये प्रशिक्षणों में प्राप्त जानकारी के अनुसार मैनें मूँग फसल की बुआई 1.0 हे0 में की और धान की फसल1.0हे0 में नहीं लगाई। मुझे मूँग की फसल से 1.0 हे0 में 11.5 कु0 उत्पादन प्राप्त हुआ और मण्डी में 8200.00 रूपया प्रति कु0 की दर से बिका जिससे कुल 94300.00 रू0 प्राप्त हुआ।मूंग में कुल लागत 24000.00 रू0आई। इस प्रकार फसल से 70300.00 रू0 शुद्ध आय प्राप्त हुई। विगतमें धान की फसल से इसी क्षेत्रफल में कुल 38कु0 उत्पादन प्राप्त हुआ था। इसे मण्डी में 1450.00 रू0 प्रति कु0 के हिसाब से बिक्री किया गया जिससे रुपया 55100.00 प्राप्त हुआ था। धान की फसल पर लागत रु024000.00 आई थी, एवंरु0 31100.00 की शुद्ध बचत प्राप्त हुई थी। इस प्रकार धान की फसल की अपेक्षा मूँगकी फसल से रुपया 39200.00 अधिक प्राप्त हुआ।

मेरे लिए यह योजना काफी लाभकारी रही है।आज के समय में डास्प योजना कृषकों के लिए बहुत ही लाभदायक है। गाँव के अन्य कृषकभी इस वर्ष ज्यादा से ज्यादा दलहन फसलों उर्द व मूँग की खेती पर विचार कर रहें है। इससे पानी की बचत के साथ–साथ हम कृषकों की आमदनी भी निश्चित ही बढ़ेगी।

फसल	आय	लागत मूल्य	शुद्ध लाभ
मूँग 11.5 कु0/हे0	@रू0.8200/–प्रति कु0 94300.00	रू024000.00	रू070300.00/हे0
धान 38 कु0/हे0	@रू0.1450/–प्रतिकु0 रू055100.00	24000.00	रू031100.00/हे0
उर्द की फसल से अतिरिक्त लाभ			रू039200/हे0

कृषक का नाम : हीरेश कुमार शर्मा
पिता का नाम : छत्रपाल शर्मा
ग्राम का नाम : भरतरी
विकास खण्ड : लोधा
तहसील : कोल
जनपद : अलीगढ़।
मोबाइल संख्या : 7078465117
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0): 1.0 हे0

सफलता की कहानी–06
(बाजरा प्रदर्शन लाभार्थी)

मैं ज्ञानेन्द्र सिंहपुत्र श्री जंग बहादुर सिंह ग्राम–रायपुरहंस, विकास खण्ड–फरीदपुर, जनपद – बरेली कानिवासी हूँ। पूर्व में अपने खेत में रबी में गेहूँ व खरीफ में धान की खेती करता था। क्राप डाईवर्सीफिकेशन परियोजना के बारे में वित्तीय वर्ष 2015–16 में विकास भवन स्थित कार्यालय मे जानकारी दी गयी। जिला परियोजना समन्वयक द्वारा मुझे अपने ग्राम के कृषकों को जोड़ते हुये, विगत वर्ष बोये गये धान के स्थान पर, बाजरा क्लस्टर प्रदर्शन हेतु 10 हे0 का क्ल्स्टर निर्माण एवं अन्य जानकारी दी गयी। इस प्रकार मेरे द्वारा अपने गांव के लोगो को मिलाकर 10 हे0 का एक क्लस्टर का निर्माण किया गया जिसमे मेरे द्वारा 1 हे0 में बाजरे की फसल लगायी गयी।

ज्ञानेन्द्र सिंह, पुत्र श्री जंगबहादुर सिंह, ग्राम रायपुरहंस, विकास खण्ड फरीदपुर, (बाजरा प्रदर्शन)

परियोजना की तरफ से प्राप्त बाजरा के हाईब्रिड बीज एवं अन्य निवेशों को, मैंने, परियोजनान्तर्गत आयोजित प्रशिक्षणों एवं गोष्ठियों में, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक एवं अन्य विशेषज्ञों द्वारा दी गयी जानकारी के आधार पर उर्द फसल की खेती की।

हाईब्रिड बाजरा बीज व अन्य निवेश, यूपीडास्प परियोजना द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराये गये थे। परियोजना के अधिकारियों के उचित मार्गदर्शन से मेरा उत्पादन 30 कु0 प्रति हे0 की दर से प्राप्त हुआ।

01 हे0 बाजरा एवं 01 हे0 धान की खेती का तुलनात्मक विवरण

क्र0स0	**मद विवरण**	**बाजरा**		**धान**
अ	कुल लागत (रू0)	13200.00		25700.00
		बाजरा अनाज	चारा	
ब	कुल उत्पादन (कु0)	30 कु0	50 कु0	48 कु0
स	कुल आय (रू0)	30X1250=37500.00	50X350=17500	48X1200=57600.00
	भुद्ध लाभ प्रति हे0 (स–अ)	**55000–13200=41800 (बाजरा+चारा–लागत)**		**31900**

इस प्रकार मुझे प्रति हे0 बाजरे की खेती में धान की अपेक्षा में 41800–31900= (रू0)**9900.00**का अतिरिक्त लाभ हुआ।

मैं इस उत्पादन एवं अपने लाभ का श्रेय क्राप डाईवर्सीफिकेशन परियोजना यूपीडास्प के जिला परियोजना समन्वयक एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिको को देता हूँ।

कृषक का नाम :ज्ञानेन्द्र सिंह
पिता का नाम :जंग बहादुर सिंह
ग्राम :रायपुरहंस,
विकास खण्ड : फरीदपुर
जनपद : बरेली
मोबाईल न0 : 7310759677
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0): 2.0
प्रदर्शन क्षेत्र :01 हे0

सफलता की कहानी–07

(उर्द प्रद्शन व पम्पसेट लाभार्थी)

मैं कृषक सुरजीत प्रताप सिंह पुत्र स्व0 श्री मुनेश्वर सिंह, ग्राम–रायपुरहंस, विकास खण्ड–फरीदपुर, जनपद–बरेली का निवासी हूँ। मेरे पास 2.0 (हेक्टेयर) उपजाऊ भूमि है, जिसमे मै रबी मे गेहूं, मसूर एवं खरीफ में धान की खेती करता रहा हूँ।

सुरजीत प्रताप सिंह, पुत्र श्री मुनेश्वर सिंह, ग्राम रायपुरहंस, विकास खण्ड फरीदपुर

क्राप डाईवर्सीफिकेशन परियोजना के बारे वित्तीय वर्ष 2014–15 में विकास भवन स्थित कार्यालय मे जानकारी प्राप्त हुई, तथा मेरे द्वारा उर्द का क्लस्टर प्रदर्शन कराया गया। उर्द में मुझे धान से अधिक लाभ प्राप्त हुआ। जहॉ धान में लागत रू0 26100.00 प्रति हे0 व शुद्ध लाभ रू0 31500.00 प्रति हे0 होता था, उसी खेत में उर्द में लागत रू0 17500.00 प्रति हे0 व शुद्ध लाभ रू0 80500.00 प्रति हे0 रहा।

सुरजीत प्रताप सिंह, पुत्र श्री मुनेश्वर सिंह, ग्राम रायपुरहंस, विकास खण्ड फरीदपुर (उर्द प्रदर्शन)

मुझे परियोजना द्वारा, मशीनीकरण से होने वाले लाभों के बारे में भी जानकारी मिली। अतः मेरे द्वारा वित्तीय वर्ष 2015–16 में पम्पसेट क्रय हेतु आन लाईन रजिस्ट्रेशन यूपीडास्प की बेबसाइट पर कराया गया तथा। कार्यालय बरेली से मेरे फार्म का अनुमोदन सम्बन्धी एस0एम0एस0 प्राप्त होने के पश्चात मेरे द्वारा फील्ड मार्शल पम्पसेट का क्रय किया गया जिसका बिल एवं अन्य अभिलेख कार्यालय में प्रस्तुत किया गया। कुछ दिनों पश्चात मुझे मेरे खाते में पम्पसेट की अनुदान धनराशि रू0 10000.00 की प्राप्त हुयी। पम्पसेट का उपयोग मेरे खेतों की सिचाई

के साथ ही अन्य कृषकों हेतु किराये पर भी किया गया। इससे मुझे अतिरिक्त आय प्राप्त हुई। जिसका विवरण निम्नवत है–

डास्प के माध्यम से प्राप्त मशीन का नाम व अनुदान – पम्पसेट

अनुदान रू0 10000.00

अ– मशीन के उपयोग से आय (रु0 प्रति वर्ष) रु0 40687.00

ब– मशीन के उपयोग पर लागत मूल्य (रु0 प्रति वर्ष) रु0 5000.00

स्वयं के पम्पसेट प्रयोग से हुये लाभ का विवरण

क्र0स0	मद विवरण	किराये के पम्प सेट से सिंचाई पर व्यय (रू0)	पम्पसेट क्रय उपरान्त सिंचाई पर व्यय (रू0)
1	सिंचाई लागत प्रति घंण्टा (रू0)	120	45
2	1 हे0सिंचाई हेतु लागत (रू0) (आवश्यक समय– 15 घण्टा)	120x15=1800.00	45x15=675.00
3	प्रति हे0 सिंचाई पर बचत (रू0)	1800-675=1125	
4	कुल उपलब्ध भूमि 2.50 हे0 में प्रति सिंचाई में बचत लाभ (रू0)	1125x2.50=2812.50	
5	प्रति वर्ष कुल उपलब्ध भूमि 2.50 हे0 में प्रति सिंचाई में बचत लाभ (रू0) कुल 07 सिंचाई प्रति वर्ष	2812.50x7=19687.50	
6	पम्पसेट किराये पर चलाने से प्राप्त लाभ 300 घण्टा x रू0 70/घण्टा	21000.00	
7	पम्पसेट से प्रतिवर्ष कुल लाभ 5+6	40687.50	

इस प्रकार मुझे 2.50 हे0 मे एक वर्ष 7 बार सिचाई मे 7X2812.50= रू0 19687.50 लाभ हुआ तथा मैने किरायेदारी से भी एक वर्ष में लगभग रु0 70.00 प्रति घण्टा का लाभ अर्जित करते हुये कुल 300 घण्टे की किरायेदारी की जिसमें मुझे कुल रू0 300X70=21000.00 का लाभ हुआ।

अतः मुझे क्राप डाईवर्सिफिकेशन परियोजना के सहयोग से प्राप्त पम्पसेट के माध्यम से स्वयं के खेत की सिंचाई एवं किरायेदारी से एक वर्ष मे कुल 19687.50+21000.00= **रू0 40687.50** की आय हुई।

कृषक का नाम :सुरजीत प्रताप सिंह

पिता का नाम : स्व0 श्री मुनेश्वर सिंह

ग्राम : रायपुरहंस

विकास खण्ड : फरीदपुर

जनपद : बरेली

मोबाईल न0 : 9936619078

कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) : 2.0

सफलता की कहानी–08
(बाजरा प्रद□न व रोटावेटर लाभार्थी)

जगदीश पु त्र मु न्नालाल, ग्र ाम लालपु र, विकास खण्ड क्यारा

मैं कृषक जगदीश, पुत्र श्री मुन्नालाल, ग्राम–लालपुर, विकासखण्ड–क्यारा, जनपद– बरेली का निवासी हूं, मेरे पास 2 (हेक्टेयर) उपजाऊ भूमि है, जिसमे मैं रबी में गेहूं एवं खरीफ में धान की खेती करता हूँ।

मुझे क्राप डाईवर्सिफिकेशन परियोजना के बारे में वर्ष 2015–16 में, विकास खण्ड– क्यारा के ए0डी0ओ0 कोआपरेटिव के माध्यम से पता चला जिसमें विगत वर्ष बोये गये धान के स्थान पर अन्य फसल प्रदर्शन लगाने पर बीज/दवा आदि पर अनुदान के बारे में बताया गया था। जिसके पश्चात मैने विकास भवन स्थित परियोजना कार्यालय में सम्पर्क किया एवं बाजरा क्लस्टर प्रदर्शन कराया। प्रदर्शन हेतु बीज व अन्य निवेश परियोजना से निःशुल्क प्राप्त कराये गये। बाजरे की खेती धान से अधिक लाभकारी रही। जहॉ धान में लागत रू0 26600/हे0 व शुद्ध लाभ रू0 31000/हे0 होता था, उसी खेत में बाजरा में लागत रू0 14000/हे0 व शुद्ध लाभ रू0 40000/हे0 रहा।

वित्तीय वर्ष 2015–16 में ही मैंने रोटावेटर हेतु परियोजना की वेबसाईट पर आनलाईन पंजीकरण कराते हुये अनुमोदन के पश्चात एक महिन्द्रा ***रोटावेटर*** ,7 फिटामल्टीस्पीड का क्रय किया। जिस हेतु मुझे अनुदान धनराशि रू0 35000.00 मेरे खाते में प्राप्त हुई।

रोटावेटर बहुत ही उपयोगी मशीन है जिसे मेरे द्वारा अपनी खेती में प्रयोग करने के साथ ही अन्य कृषकों के खेतों पर भी किराया पर चलाया गया। इससे मुझे अतिरिक्त आय प्राप्त हुई। स्वयं व अन्य कृषकों के खेतों पर एक वर्ष में कुल 600 घण्टे किये गये कार्य से मुझे रू0 315000.00 का लाभ प्राप्त हुआ जिसका विवरण निम्नवत है–

स्वयं के रोटावेटर प्रयोग से एक वर्श में हुये लागत/लाभ का विवरण

डास्प के माध्यम से प्राप्त मशीन का नाम व अनुदान – रोटावेटर

अनुदान रू0 35000.00

क्र0 सं0	मद विवरण	रोटवेटर सेट प्रयोगसे लागत/लाभ
अ	**लागत** :	
1	एक वर्ष मे कुल 600 घण्टे की गयी जुताई की लागत (जुताई मे ईंधन की लागत : रू0 450.00 प्रति घण्टा)	600X450=270000.00
2	रिपेयरिंग एवं सर्विसिंग (ट्रैक्टर एवं रोटावेटर)	15000.00
	कुल खर्च	**285000.00**
ब	**आयः** एक वर्ष मे कुल 600 घण्टे की गयी जुताई से प्राप्त किराया (प्रति घण्टा जुताई का किराया : रू0 1000 प्रति घण्टा)	600x1000=600000.00
	भुद्ध लाभ (ब–अ)	**315000.00**

इस प्रकार मुझे स्वयं की खेती मे संविधा एवं लाभ के साथ–साथ किरायेदारी से एक वर्ष मे कुल रू0 315000.00 का शुद्ध लाभ हुआ। धन्यवाद।

कृषक का नाम : जगदीश
पिता का नाम : मुन्नालाल
ग्राम : लालपुर,
विकास खण्ड : क्यारा
जनपद : बरेली
मोबाइल न0 : 9760052378
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) : 2

सफलता की कहानी–09
(उर्द प्रदर्शन लाभार्थी)

सतेन्द्रमोहन सिंह पुत्र श्री जण्डैल सिंह, ग्राम जगन्नाथपुर, विकास खण्ड रामनगर का। डास्प मु ख्यालय के तकनीकी समन्वयक डा0 गजे न्द्र सिं ह एवं जिला परियो जना समन्वयक द्वारा प्र क्षे त्र का निरीक्षण करते हु ये

क्राप डाईवर्सीफिकेशन परियोजना के बारे मे खण्ड विकास अधिकारी, रामनगर द्वारा जानकारी दी गयी तथा धान के स्थान पर अधिक लाभकारी उर्द की खेती करने हेतु क्लस्टर निर्माण एवं अन्य जानकारी दी गयी। मैंने पिछले वर्ष खरीफ में धान की खेती की थी। जानकारी से प्रभावित होकर मैंने यूपीडास्प कार्यालय विकास भवन में जिला परियोजना समन्वयक, यूपीडास्प से सम्पर्क किया तथा मेरे द्वारा अपने गांव के, धान के स्थान पर उर्द फसल बोने के इच्छुक 8 लोगो को मिलाकर 10 हे0 का एक क्लस्टर का निर्माण किया गया जिसमे मेरे द्वारा 1 हे0 मे उर्द की फसल लगायी गयी।

यूपीडास्प परियोजना द्वारा निःशुल्क बीज, बायो उर्वरक, खरपतवार नियंत्रक एवं कीट नाशक आदि उपलब्ध कराया गया। मैने परियोजनान्तर्गत आयोजित कृषक प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी का उपयोग कर उर्द प्रदर्शन लगाया जिसका कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा स्थलीय निरीक्षण भी किया गया। उन्होने मेरी फसल को देखकर प्रसन्नता जाहिर की एवं कई और बहुत महत्वपूर्ण जानकारियां भी दीं। जिन्हें प्रयोग मे लाकर मैने अधिक उपज प्राप्त की।

परियोजना के अधिकारियों के उचित मार्गदर्शन से मेरा उत्पादन 11.20 कुं0 प्रति हे0 की दर से प्राप्त हुआ जिससे मुझे निम्नवत आय हुईः–

01 हे उर्द एवं 01 हे0 धान की खेती का तुलनात्मक विवरण

क्र0 सं0	मद विवरण	उर्द प्रदर्शन(01 हे0)	धान (01 हे0) विगत वर्ष
अ	**कुल लागत**	**16740.00**	**26600.00**
ब	कुल उत्पादन	11.20 कुण्टल	55 कुण्टल
स	कुल आय	11.20x10000=**112000.00** (मूल्य रू0 10000/कु0)	55x1200=**66000.00** (मूल्य रू0 1200/कु0)
	भुद्ध लाभ प्रति हे0 (स–अ)	**95260.00**	**39400.00**

इस प्रकार मुझेउर्द की खेती मे धान की खेती की अपेक्षा प्रति हे0 रू095260–39400=55860.00 का अरिरिक्त लाभ हुआ।

मै इस उत्पादन एवं अपने लाभ का श्रेय क्राप डाईवर्सीफिकेशन परियोजना यूपीडास्प के जिला परियोजना समन्वयक एवं कृषि केन्द्र के वैज्ञानिकों को देता हूँ।

कृषक का नाम : सतेन्द्र मोहन सिंह
पिता का नाम : श्री जण्डैल सिंह
ग्राम : जगन्नाथपुर
विकास खण्ड :रामनगर
जनपद : बरेली
मोबाइल न0 : 9690602304
प्रदर्शन क्षेत्रफल (हे0) :2

सफलता की कहानी–10
(बाजरा प्रद□न मल्टीकाप थ्रेसर लाभार्थी)

मै कृषक सत्यपाल पुत्र श्री चन्द्रपाल, ग्राम–जितौर, विकास खण्ड–क्यारा, जनपद–बरेली का निवासी हूँ। मेरे पास 3 (हेक्टेयर) उपजाऊ भूमि है, जिसमे मैं रबी में गेहूँ , मसूर एवं खरीफ मे धान की खेती करता रहा हूं।

सत्यपाल पुत्र श्री चन्द्रपाल, ग्राम जितौर, विकास खण्ड क्यारा

क्राप डाईवर्सीफिकेशन परियोजना के बारे मे वित्तीय वर्ष 2015–16 मे विकास खण्ड–क्यारा के ए0डी0ओ0 कोआपरेटिव के द्वारा बाजरा क्लस्टर प्रदर्शन के सम्बन्ध मे बताया गया। जिसके पश्चात मैंने विकास भवन स्थित परियोजना कार्यालय मे सम्पर्क किया तथा बाजरा क्लस्टर प्रदर्शन कराया।प्रदर्शन हेतु बीज व अन्य निवेश परियोजना से निःशुल्क प्राप्त कराये गये। बाजरे की खेती धान से अधिक लाभकारी रही। जहॉ विगत में बोये गये धान पर लागत रू0 25000.00 प्रति हे0 व शुद्ध लाभ रू0 24000.00 प्रति हे0 हुआ था, उसी खेत में बाजरा में लागत रू0 14800.00 प्रति हे0 व शुद्ध लाभ रू0 32000.00 प्रति हे0 रहा।

वित्तीय वर्ष 2015–16 मे ही मैंने मल्टीक्राप थ्रेसर हेतु परियोजना की वेबसाइट पर आन लाईन पंजीकरण कराते हुये अनुमोदन के पश्चात एक डीलक्स मल्टीक्राप थ्रेसर 100 एच0पी0 का क्रय किया जिस हेतु मुझे अनुदान धनराशि रू0 40000.00 मेरे खाते मे प्राप्त हुआ।

पहले थ्रेसिंग हेतु मशीन किराये पर लिया करता था। परन्तु अपनी मल्टीक्राप थ्रेसर क्रय करने से मुझे बहुत खुशी हुई। इसे मेरे द्वारा अपनी खेती में प्रयोग करने के साथ ही अन्य कृषकों हेतु किराये पर चलाया गया। इससे मुझे अतिरिक्त आय प्राप्त हुई। जिसका विवरण निम्नवत हैः–

डास्प के माध्यम से प्राप्त मशीन का नाम व अनुदान – मल्टीक्राप थ्रेशर
अनुदान रू0 40000.00

स्वयं के रोटावेटर प्रयोग से एक वर्श में हुये लागत/लाभ का विवरण

क्र0 सं0	मद विरण	मल्टीक्राप थ्रेसर प्रयोगसे लागत/
अ	**लागतः**	
1	एक वर्ष मे कुल 420 घण्टे की गयी थ्रेसिंग की लागत (थ्रेसिंग मे ईंधन की लागत रू0 480 प्रति घण्टा)	201600.00
2	रिपेयरिंग एवं सर्विसिंग (ट्रैक्टर एवं थ्रेसर)	15000.00
	कुल खर्च	216600.00
ब	**आयः**	
	एक वर्ष मे कुल 420 घण्टे की गयी थ्रेशिंग से प्राप्त किराया (थ्रेशिंग का किराया रू0 1000 प्रति घण्टा)	420000.00
	भुद्ध लाभ (ब–अ)	**203400.00**

इस प्रकार मुझे स्वयं की खेती मे सुविधा एवं लाभ के साथ–2 अन्य कृषकों हेतु गेंहू, बाजरा, उर्द, चना, मसूर आदि की थ्रेशिंग के किरायेदारी पर करने से, एक वर्ष मे कुल रू0 203400.00 का शुद्ध लाभ हुआ। मै सम्बन्धित का बहुत आाभारी हूँ।

कृषक का नाम : सत्यपाल
पिता का नाम : चन्द्रपाल
ग्राम : जितौर,
विकास खण्ड : क्यारा
जनपद का नाम : बरेली
मोबाईल न0 :9536433936
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) : 3.00

सफलता की कहानी–11
(उर्द प्रद□न लाभार्थी)

मेरा नाम प्रभात कुमार पुत्र श्री शिव प्रताप सिंह है। मैं ग्राम पेदी, पोस्ट फरीदपुर भोगी, ब्लाक हल्दौर, जिला बिजनौर का रहने वाला हूँ। मेरे पास 2.66 हे0 जमीन है। मैं पहले धान की खेती अधिक किया करता था परन्तु इसमें कोई लाभ नहीं मिल पाता था। धान की फसल में 120 से 130 दिन का समय लगता है, और 8–10 सिंचाई करनी पड़ती है। एक सिंचाई में 500.00 रू0 का पानी लगता है। धान की फसल में खाद और दवाईयां भी बहुत मात्रा में प्रयोग करनी पड़ती है।

इस वर्ष(2016–17) मैं फसल विविधिकरण परियोजना यू0पी0 डास्प से जुड़ा और खरीफ में धान के स्थान पर 2.66 हे0 में उर्द की खेती की जिसके लिए मुझे डास्प योजना से 40 किग्रा0 उर्द का बीज, जैव उर्वरक, दवायें आदि निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। उर्द की फसल 70–75 दिनों में ही तैयार हो गई। जिसमें सिर्फ दो सिंचाई की ही आवश्यकता पड़ी। उर्द की फसल में खाद और दवाईयों का भी बहुत कम मात्रा में प्रयोग हुआ। जिससे मुझे कम समय और कम लागत में 10. 50 कुन्तल प्रति हे0 उर्द की पैदावार हुई।

फसल	आय/हे0	लागत मूल्य/हे0	भुद्ध लाभ/हे0
धान कुल उत्पादन– 44 कु0/हे0,	रू0 66000 @Rs 1500प्रति कु0	रू0 29750.00	रू0 36250.00
उर्द कुल उत्पादन–10.50कु0/हे0	रू0 73500.00 @Rs.7000प्रति कु0	रू0 10700.00	रू0 62800.00
उर्द की फसल से अतिरिक्त लाभ			रू0 26550.00

कृषक का नाम	: प्रभात कुमार
पिता का नाम	: श्री शिव प्रताप सिंह
पता	: ग्राम पेदी, पोस्ट फरीदपुर भोगी
विकास खण्ड	: ब्लाक हल्दौर
जिला	: बिजनौर।
मोबाइल नं0	: 9410698145
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0)	: 2.66

सफलता की कहानी–12
(उर्द प्रद□न लाभार्थी)

मेरा नाम विकास चौधरी पुत्र श्री शिव प्रताप सिंह है। मैं ग्राम पेदी, पोस्ट फरीदपुर भोगी, ब्लाक हल्दौर, जिला बिजनौर का रहने वाला हूँ। मेरे पास 1.00 हे0 जमीन है। मैने पिछले वर्ष खरीफ में धान की खेती की थी। जिसमें 120 से 125 दिन का समय लगा था, और 8–10 सिंचाई करनी पड़ती थी, जबकि एक सिंचाई में 500 रू0 का पानी लगता है। कुल मिलाकर धान की फसल आर्थिक रूप से फायदेमंद नहीं थी।

इस वर्ष (2016–17) मैं फसल विविधिकरण परियोजना यू0पी0 डास्प से जुड़कर खरीफ में 1 हे0 में उर्द प्रदर्शन कराया, उर्द की फसल 70–75 दिन में सिर्फ एक सिचाई से तैयार हो गई थी। उर्द की फसल के लिए डास्प योजना से 15 किग्रा0 उर्द का बीज, दवा व अन्य निवेश निःशुल्क प्राप्त कराया गया था। जिससे मेरा खाद और दवाइयों में बहुत ही कम खर्च हुआ। उर्द की खेती से कम समय और कम लागत में 11.00कु0 प्रति हे0 का उत्पादन हुआ है।

फसल	आय	लागत मूल्य	भुद्ध लाभ /हे0
धान कुल उत्पादन–40 कु0/हे0,	रू0 60000.00 @Rs 1500प्रति कु0	रू0 33000.00	रू0 27000.00
उर्द कुल उत्पादन–11कु0/हे0	रू0 77000.00 @Rs.7000प्रति कु0	रू0 10100.00	रू0 66900.00
उर्द की फसल से अतिरिक्त लाभ			रू0 39900.00

कृषक का नाम :विकास चौधरी
पिता का नाम :श्री शिव प्रताप सिंह
ग्राम : पेदी
पोस्ट : फरीदपुर भोगी
ब्लाक : हल्दौर
जिला : बिजनौर
मोबाइल नं0 : 9927506155
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0): 1.00

सफलता की कहानी–13
(उर्द प्रद□न लाभार्थी)

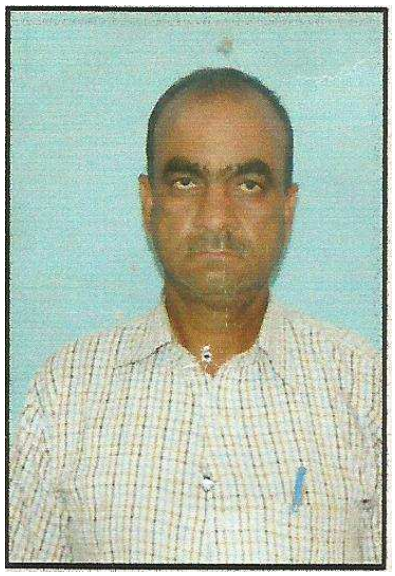

मैंपहले धान की खेती किया करता था। इस वर्ष मै फसल विविधीकरण परियोजना यू0पी0 डास्प से जुड़ा और खरीफ में 1.49 हे0 क्षेत्रफल में उर्द का प्रदर्शन किया। धान की फसल में 120–130 दिन का समय लगता है और 10–12 सिंचाई करनी पड़ती है जबकि उर्द की फसल में 70–75 दिन का समय लगता है और दो ही सिंचाई में फसल तैयार हो जाती है। धान की फसल में खाद और दवाइयां भी बहुत मात्रा में प्रयोग करनी पड़ती है, जिसमें लगभग 38000.00 रू0 का खर्च होता था। जबकि उर्द की फसल में खाद और दवाईयों का बहुत कम मात्रा में प्रयोग होता है जिसमें की मुझे डास्प योजना से 22 किग्रा0 उर्द का बीज और निवेश प्राप्त कराया गया। जिससे मुझे कम समय और कम लागत में लगभग 10 कुन्तल का उत्पादन प्राप्त हुआ और रू0 58300.00 प्रति हे0 का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। जिससे कि मै और मेरे गॉव वाले भी काफी प्रभावित हुए और आगे से दलहनी फसलो की खेती को करने को प्राथमिकता भी देंगे।

फसल	आय	लागत मूल्य	भुद्ध लाभ /हे0
धान कुल उत्पादन–41 कु0/हे0,	रू0 61500.00 @Rs 1500प्रति कु0	रू0 38000.00	रू0 23500.00
उर्द कुल उत्पादन– 10 कु0/हे0	रू0 70000.00 @Rs.7000प्रति कु0	रू0 11700.00	रू0 58300.00
उर्द की फसल से अतिरिक्त लाभ			रू0 34800.00

कृषक का नाम :सुनील कुमार
पिता का नाम :श्री जगत सिंह
पता :ग्राम–देवीदासवाला
पोस्ट : मण्डावर
ब्लाक : मौ0पुर देवमल
जिला : बिजनौर
मोबाइल नं0 :9457801806
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0):1.14

सफलता की कहानी–14
(उर्द प्रद□न लाभार्थी)

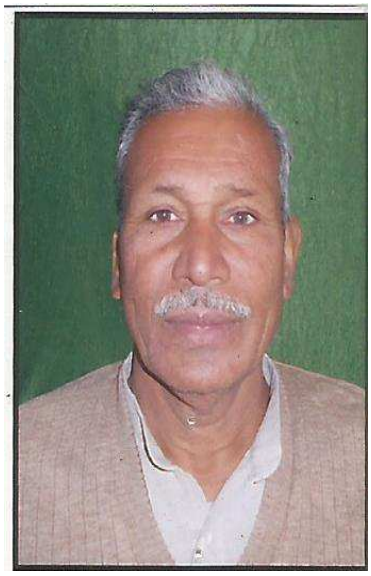

मैं पहले धान की खेती किया करता था, और इस वर्ष मै फसल विविधीकरण परियोजना यू0पी0 डास्प से जुड़ा हूँ और खरीफ में 0.60 हे0 में उर्द का प्रदर्शन किया। धान की फसल में 120 से 130 दिन का समय लगता है और 10 सिंचाई करनी पड़ती है, जब की उर्द में 70–75 दिन का समय लगता है और एक ही सिंचाई में फसल तैयार हो जाती है। धान की फसल में खाद और दवाइयां भी बहुत मात्रा में प्रयोग करनी पड़ती है, जिसमें लगभग 17000.00 रू0 का खर्च हुआ था। जबकि उर्द की फसल में खाद और दवाईयों का बहुत कम मात्रा में प्रयोग होता है जिसमें की मुझे डास्प योजना से 6 किग्रा0 उर्द का बीज और निवेश प्राप्त कराया गया। जिससे मुझे कम समय और कम लागत में 10 कु0 प्रति हे0 का उत्पादन प्राप्त हुआ है, और उर्द की खेती से शुद्ध आय रू0 59500.00 प्रति हे0 प्राप्त हुआ।

फसल	आय	लागत मूल्य	भुद्ध लाभ /हे0
धान कुल उत्पादन–42कु0/हे0,	रू0 63000.00 @Rs 1500प्रति कु0	रू0 39300.00	रू0 23700.00
उर्द कुल उत्पादन–10कु0/हे0	रू0 70000.00 @Rs.7000प्रति कु0	रू0 10500.00	रू059500.00
उर्द की फसल से अतिरिक्त लाभ			रू035800.00

कृषक का नाम :कल्याण सिंह
पिता का नाम :श्री लाल सिंह
ग्राम : फरीदपुरमीरा
ब्लाक : मौ0पुर देवमल
जिला : बिजनौर
मोबाइल नं0 :9411608788
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0):1.75

सफलता की कहानी–15
(उर्द प्रद□न लाभार्थी)

मैं पहले धान की खेती किया करता था जिसमें 125 से 130 दिन का समय लगता है, और 10–12 सिंचाई करनी पड़ती है, जबकि उर्द की फसल में 70–75 दिन का समय लगता है और 1–2 ही सिंचाई में फसल तैयार हो जाती है। धान की फसल में खाद और दवाईया भी बहुत मात्रा में प्रयोग करनी पड़ती है, जिसमें लगभग पन्द्रह से बीस हजार रूपये का खर्च होता है और मजदूरी भी अधिक देनी पड़ती है, जबकि उर्द की फसल में खाद और दवाईयों का बहुत कम मात्रा में प्रयोग होता है और मजदूरी भी कम लगती है। धान को बेचने के लिए मण्डी में जाना पड़ता है और दाम भी कम मिलता है। उर्द की फसल को बेचने में कोई परेशानी भी नही होती और दाम भी अधिक मिलता है। इस वर्ष मै फसल विविधीकरण परियोजना यू0पी0 डास्प से जुड़ा और खरीफ में 2 हे0 में उर्द का प्रदर्शन किया। जिसमें कि मुझे डास्प योजना से 30 किग्रा0 उर्द का बीज और निवेश प्राप्त कराया गया। जिससे मुझे धान की अपेक्षा उर्द की खेती में कम समय और कम लागत में रू0 64300.00 प्रति हे0 का शुद्ध लाभ हुआ।

फसल	आय	लागत मूल्य	भुद्ध लाभ /हे0
धान कुल उत्पादन– 43 कु0/हे0,	रू0 64500.00 @Rs 1500प्रति कु0	रू0 41000.00	रू0 23500.00
उर्द कुल उत्पादन– 11 कु0/हे0	रू0 77000.00 @Rs.7000प्रति कु0	रू0 12700.00	रू0 64300.00
उर्द की फसल से अतिरिक्त लाभ			रू040800.00

कृषक का नाम	:सुभाष त्यागी
पिता का नाम	:श्री बाबूराम
पता	: ग्राम सिकरौडा
ब्लाक	: नजीबाबाद
जिला	: बिजनौर।
मोबाइल नं0	:9759590852
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0)	:5.00

सफलता की कहानी–16
(उर्द प्रद□न लाभार्थी)

मैं पहले सरबती धान की खेती किया करता था। इस वर्ष फसल विविधीकरण परियोजना यू0पी0 डास्प के सहयोग से धान की जगह 1 हे0 में उर्द की खेती किया, जिसमे मुझे डास्प द्वारा 15 किग्रा0 पन्त उर्द 31 का बीज और निवेश उपलब्ध कराया गया। उर्द बुआई के पश्चात मात्र दो बार सिंचाई एवं रू0 15200.00 प्रति हे0 व्यय के पश्चात 75 से 80 दिन में 1.0 हे0 में 13.00 कु0/हे0 उत्पादन हुआ जिससे मुझे रू0 75800.00 प्रति हे0 का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ, जबकि धान की खेती में लगभग 120 से 130 दिन में 8–10 सिंचाई करनी पड़ती थी और लाभ अपेक्षाकृत कम होता था।

फसल	आय	लागत मूल्य	भुद्ध लाभ /हे0
धान कुल उत्पादन–43 कु0/हे0,	रू0 64500.00 @Rs 1500प्रति कु0	रू0 37000.00	रू0 27500.00
उर्द कुल उत्पादन– 13 कु0/हे0	रू0 91000.00 Rs.7000प्रति कु0	रू0 15200.00	रू0 75800.00
उर्द की फसल से अतिरिक्त लाभ			रू048300.00

कृषक का नाम :लाल बहादुर सिंह
पिता/पति का नाम :श्री बलवन्त सिंह
ग्राम व पोस्ट : बिलाई
विकासखण्ड : हल्दौर
जनपद :बिजनौर
मोबाइल नं0 :9410415609
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) :3.386

सफलता की कहानी–17
(उर्द प्रद□न लाभार्थी)

मेरा नाम मुनेद्र सिंह पुत्र श्री छुटटन सिंह है। फसल विविधीकरण योजना, यूपीडास्प रामपुर द्वारा मेरा चयन उर्द क्लस्टर प्रदर्शन हेतु वर्ष 2015–16 में किया गया। मुझे उर्द बीज (आजाद–2), दवायें, जैव उर्वरक आदि निःशुल्क उपलब्ध कराये गये। इसके अतिरिक्त डी0ए0पी0 इत्यादि हेतु रू0 975.00 का अनुदान भी eq>saडी0बी0टी0 द्वारा प्राप्त हुआ है। इसके अतिरिक्त मैने चारा काटने हेतु पावर चैफ कटर खरीदा जिस पर eq>saरु0 20000.00 का अनुदान भी प्राप्त हुआ है। धान के स्थान पर उर्द बोने से हुए लाभ से मै अत्यंत प्रसन्न हूॅ।

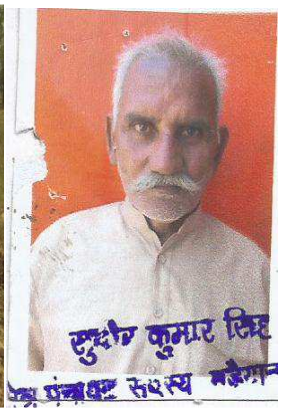

पिछले वर्ष धान एवं वर्ष 2015.16 मे उर्द की फसल से प्रति हेक्टेयर लाभ का तुलनात्मक विवरणः–

फसल	कुलआय(रू0)	लागत मूल्य(रू0)	शुद्ध आय (रू0)
धान कुल उत्पादन–55 कु0/हे0	रू0 82500.00 @Rs 1500 प्रति कु0	रू0 37750.00	रू0 44750.00
उर्द कुल उत्पादन–11 कु0/हे0	रू0 110000.00 @Rs 10000 प्रति कु0	रू0 9800.00	रू0 100200.00
धान की तुलना मे उर्द की फसल से प्रति हे0 अतिरिक्त आय			रू055450.00

डास्प के माध्यम से मशीन क्रय करने से अतिरिक्त लाभ (रु0 प्रति वर्ष)–

मैने पावर चैफ कटर का क्रय किया गया जिसपर मु> रु0 20000.00 का अनुदान प्रदान किया गया। मशीन क्रय के पूर्व चारा कटाई हेतु मु> प्रति दिन लगभग रु0 100.00 व्यय करने होते थे, जिसकी बचत एवं बिजली के व्यय को घटाते हुए लगभग रु0 30000.00 का अतिरिक्त लाभ प्रतिमु> प्रतिवर्ष हो रहा है।

कृषक का नाम : श्री मुनेद्र सिंह
पिता/पति का नाम : श्री छुटटन सिंह
ग्राम : बुद्धपुर
विकास खण्ड : शाहबाद
जनपद : रामपुर
मोबाईल नं0 : 9761888445

कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) : 3.17 हे0
प्रदर्शन का क्षेत्रफल : 2.576 हे0

सफलता की कहानी–18
(उर्द प्रद□न लाभार्थी)

मेरा नाम अजय पाल है, मेरा चयन फसल विविधीकरण योजना, यूपीडास्प रामपुर द्वारा उर्द क्लस्टर प्रदर्शन 2015–16 में किया गया। मु> उर्द बीज (आजाद–2) निशुल्क उपलब्ध कराया गया तथा धान के स्थान पर उर्द बोने के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ बताए गये। मैने चारा काटने हेतु पावर चैफ कटर खरीदा जिस पर मु> रू0 20000/– का अनुदान भी प्राप्त हुआ। उर्द के अन्य निवेशों के क्रय पर भी मु> अनुदान प्राप्त हुआ है। धान के स्थान पर उर्द बोने से हुए लाभ से मै अत्यंत प्रसन्न हूँ।

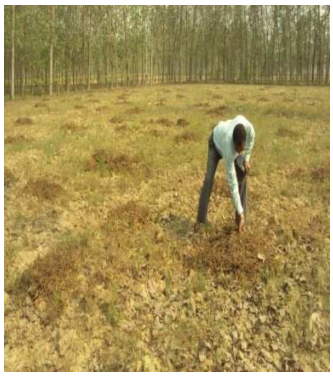

पिछले वर्ष धान एवं वर्ष 2015.16 मे उर्द की फसल से प्रति हेक्टेयर लाभ का तुलनात्मक विवरण :–

फसल	कुल आय(रू0)	लागत मूल्य (रू0)	शुद्ध आय (रू0)
धान कुल उत्पादन–50 कु0/हे0	रू0 77500.00 @Rs1550 प्रति कु0	रू0 36100.00	रू0 41400.00
उर्द कुल उत्पादन– 12 कु0/ हे0	रू0 118000.00 @Rs 9900 प्रति कु0	रू0 9400.00	रू0 109400.00
धान की तुलना मे उर्द की फसल से प्रति हे0 अतिरिक्त आय			रू0 68000.00

डास्प के माध्यम से मशीन क्रय करने से अतिरिक्त लाभ (रू0 प्रति वर्ष):–

मेरे द्वारा पावर चैफ कटर का भी क्रय किया गया जिस पर रू0 20000/– का अनुदान प्रदान किया गया। मशीन क्रय के पूर्व चारा कटाई हेतु मु> प्रति दिन लगभग रू0 100/– व्यय करने होते थे, जिसकी बचत एवं बिजली के व्यय को घटाते हुये लगभग रू0 20000/– का अतिरिक्त लाभ मु> प्रतिवर्ष हो रहा है। कृषक का नाम : श्री अजय पाल
पिता/पति का नामः श्री प्यारे लाल
ग्राम : मतवाली
विकास खण्ड : शाहबाद
जनपद : रामपुर
मोबाईल नं0 : 9720885147

कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) : 2.78 हे0
प्रदर्शन का क्षेत्रफल : 1.338 हे0

सफलता की कहानी–19
(उर्द प्रद□न लाभार्थी)

मेरा नाम जयपाल सिंह है, मेरा चयन उर्द क्लस्टर प्रदर्शन 2015–16 में किया गया। मु> उर्द बीज (आजाद–2) उपलब्ध कराया गया। मु> विस्तृत रूप से धान के स्थान पर उर्द बोने के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ बताए गये। मैने चारा काटने हेतु पावर चैफ कटर खरीदा जिस पर रू0मु> 20000.00 का अनुदान भी प्राप्त हुआ। उर्द के अन्य निवेशों के क्रय पर भी मु> अनुदान प्राप्त हुआ। धान के स्थान पर उर्द बोने से हुए लाभ से मै अत्यंत प्रसन्न हूँ।

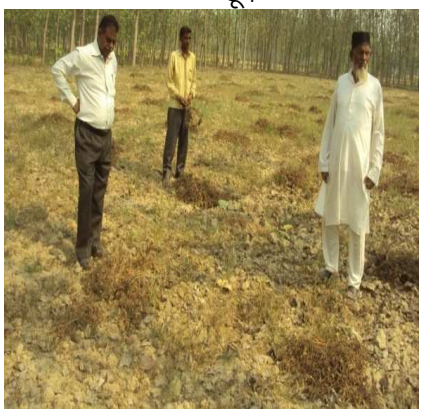

पिछले वर्ष धान एवं वर्ष 2015–16 मे उर्द की फसल से प्रति हेक्टेयर लाभ का तुलनात्मक विवरण :–

फसल	आय (रू0)	लागत मूल्य (रू0)	शुद्ध आय (रू0)
धान कुल उत्पादन–58 कु0/हे0	रू0 84100.00 @Rs1450 प्रति कु0	रू0 37450.00	रू0 46650.00
उर्द कुल उत्पादन– 11.5 कु0/हे0	रू0 103500.00 @Rs 9000प्रति कु0	रू0 9000.00	रू0 94500.00
धान की तुलना मे उर्द की फसल से प्रति हे0 अतिरिक्त आय			रू0 47850.00

डास्प के माध्यम से मशीन क्रय करने से अतिरिक्त लाभ (रू0 प्रति वर्ष):–

मैने पावर चैफ कटर भी क्रय किया गया जिस पर मु> रू0 20000.00 का अनुदान प्रदान किया गया। मशीन क्रय के पूर्व चारा कटाई हेतु मु> प्रति दिन लगभग रू0 100.00 व्यय करने होते थे, जिसकी बचत एवं बिजली के व्यय को घटाते हुये लगभग रू0 28000.00 का अतिरिक्त लाभमु> प्रतिवर्ष हो रहा है।

कृषक का नाम : श्री जयपाल सिंह
पिता/पति का नाम : श्री दौलत सिंह
ग्राम : हिम्मतपुर
विकास खण्ड : शाहबाद

जनपद	:	रामपुर
मोबाईल नं0	:	9761058071
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0)	:	2.6 हे0
प्रदर्शन का क्षेत्रफल	:	1.662 हे0

सफलता की कहानी–20
(उर्द प्रद□न लाभार्थी)

मेरा नाम नेमवती है, मेरा चयन उर्द क्लस्टर प्रदर्शन 2015–16 में किया गया। मु> उर्द बीज (आजाद–2) उपलब्ध कराया गया। मु>S विस्तृत रूप से धान के स्थान पर उर्द बोने के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ बताए गये। मैने चारा काटने हेतु पावर चैफ कटर खरीदा जिस पर रू0मु>S 20000.00 का अनुदान भी प्राप्त हुआ। उर्द के अन्य निवेशों के क्रय पर भी मु>S अनुदान प्राप्त हुआ। धान के स्थान पर उर्द बोने से हुए लाभ से मै अत्यंत प्रसन्न हूॅ।

पिछले वर्ष धान एवं वर्ष 2015–16 मे उर्द की फसल से प्रति हेक्टेयर लाभ का तुलनात्मक विवरणः–

फसल	आय (रू0)	लागत मूल्य (रू0)	शुद्ध आय (रू0)
धान **कुल उत्पादन**– 48 कु0/ हे0	रू0 69600.00 @Rs1450 प्रति कु0	रू0 36700.00	रू0 32900.00
उर्द **कुल उत्पादन**–11 कु0/हे0	रू0 110000.00 @Rs 10000 प्रति कु0	रू0 8800.00 .00	रू0 101200.00
धान की तुलना मे उर्द की फसल से प्रति हे0 अतिरिक्त आय			रू0 68300.00

डास्प के माध्यम से मशीन क्रय करने से अतिरिक्त लाभ (रू0 प्रति वर्ष):–

मेरे द्वारा पावर चैफ कटर का क्रय किया गया जिस पर मु> रू0 20000.00 का अनुदान प्रदान किया गया। मु> मशीन क्रय के पूर्व चारा कटाई हेतु प्रतिदिन लगभग रू0 130.00 व्यय होते थे, जिसकी बचत एवं बिजली के व्यय को घटाते हुये लगभग रू0 30000.00 का अतिरिक्त लाभ प्रतिमु> प्रतिवर्ष हो रहा है।

कृषक का नाम : श्रीमती नेमवती
पिता/पति का नाम : श्री रामपाल सिंह
ग्राम : ढोलसर
विकास खण्ड : शाहबाद
जनपद : रामपुर

मोबाईल नं0 : 9758185458
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) : 1.1 हे0
प्रदर्शन का क्षेत्रफल : 0.5 हे0

सफलता की कहानी–21
(उर्द प्रद□ान लाभार्थी)

मेरा नाम काशी सिंह है, मेरा का चयन उर्द क्लस्टर प्रदर्शन 2015–16 में किया गया। मु> उर्द बीज (आजाद–2) उपलब्ध कराया गया।मु>S विस्तृत रूप से धान के स्थान पर उर्द बोने के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ बताए गये। मैने चारा काटने हेतु पावर चैफ कटर खरीदा जिस पर मु> रू0 20000.00 का अनुदान भी प्राप्त हुआ। मु>S उर्द के अन्य निवेशों के क्रय पर भी अनुदान प्राप्त हुआ। धान के स्थान पर उर्द बोने से हुए लाभ से मै अत्यंत प्रसन्न हूॅ।

पिछले वर्ष धान एवं वर्ष 2015–16 मे उर्द की फसल से प्रति हेक्टेयर लाभ का तुलनात्मक विवरणः–

फसल	आय (रू0)	लागत मूल्य (रू0)	शुद्ध आय (रू0)
धान **कुल उत्पादन**–54कु0/ हे0	रू0 75600.00 @Rs1400 प्रति कु0	रू0 37000.00	रू0 38600.00
उर्द **कुल उत्पादन**–10 कु0/हे0	रू0 99000.00 @Rs 9900 प्रति कु0	रू0 8800.00	रू0 90200.00
धान की तुलना मे उर्द की फसल से प्रति हे0 अतिरिक्त आय			रू0 51600.00

डास्प के माध्यम से मशीन क्रय करने से अतिरिक्त लाभ (रू0 प्रति वर्ष):–

मेरे द्वारा पावर चैफ कटर का क्रय किया गया जिस पर मु>S रू0 20000.00 का अनुदान प्रदान किया गया।मु>S मशीन क्रय के पूर्व चारा कटाई हेतु प्रतिदिन लगभग रू0 100.00 व्यय होते थे, जिसकी बचत एवं बिजली के व्यय को घटाते हुये लगभग रू0 32000.00 का अतिरिक्त लाभ प्रतिमु>S izfrवर्ष हो रहा है।

कृषक का नाम : श्री काशी सिंह
पिता/पति का नाम : श्री रूपचरन
ग्राम : बद्धपुर
विकास खण्ड : शाहबाद

जनपद	: रामपुर
मोबाईल नं0	: 7351324714
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0)	: 1.72 हे0
प्रदर्शन का क्षेत्रफल	: 0.738 हे0

सफलता की कहानी–22
(उर्द प्रद□न लाभार्थी)

मेरा नाम किशन लाल है, मेरा चयन उर्द क्लस्टर प्रदर्शन 2015–16 में किया गया। मु> उर्द बीज (आजाद–2) उपलब्ध कराया गया। मु> विस्तृत रूप से धान के स्थान पर उर्द बोने के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ बताए गये। मैने चारा काटने हेतु पावर चैफ कटर खरीदा जिस पर मु> रू0 20000.00 का अनुदान भी प्राप्त हुआ।मु> उर्द के अन्य निवेशों के क्रय पर भी अनुदान प्राप्त हुआ। धान के स्थान पर उर्द बोने से हुए लाभ से मै अत्यंत प्रसन्न हूँ।

पिछले वर्ष धान एवं वर्ष 2015–16 मे उर्द की फसल से प्रति हेक्टेयर लाभ का तुलनात्मक विवरण:–

फसल	आय (रू0)	लागत मूल्य (रू0)	शुद्ध आय (रू0)
धान **कुल उत्पादन**–51 कु0/ हे0	रू0 76500.00 @Rs1500 प्रति कु0	रू0 37500.00	रू0 39000.00
उर्द **कुल उत्पादन**–11 कु0/हे0	रू0 99000.00 @Rs 9000 प्रति कु0	रू0 9600.00	रू0 89400.00
धान की तुलना मे उर्द की फसल से प्रति हे0 अतिरिक्त आय			रू0 50400.00

डास्प के माध्यम से मशीन क्रय करने से अतिरिक्त लाभ (रू0 प्रति वर्ष):

मैने एक पावर चैफ कटर का भी क्रय किया जिस परमु> रू0 20000.00 का अनुदान प्रदान किया गया। मशीन क्रय के पूर्व मु> चारा कटाई हेतु प्रतिदिन लगभग रू0 100.00 व्यय करने होते थे, जिसकी बचत एवं बिजली के व्यय को घटाते हुये मु> लगभग रू0 30000.00 का अतिरिक्त लाभ मु> प्रतिवर्ष हो रहा है।

कृषक का नाम : श्री किशन लाल
पिता/पति का नाम : श्री रामचन्द्र
ग्राम : मतवाली
विकास खण्ड : शाहबाद
जनपद : रामपुर
मोबाईल नं0 : 9756539130
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) : 3.17 हे0

प्रदर्शन का क्षेत्रफल : 0.670 हे0

सफलता की कहानी–23
(उर्द प्रद□न लाभार्थी)

मेरा नाम शीला देवी है मेरा चयन उर्द क्लस्टर प्रदर्शन 2015–16 में किया गया। मु> उर्द बीज (आजाद–2) उपलब्ध कराया गया। मु> विस्तृत रूप से धान के स्थान पर उर्द बोने के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ बताए गये। मैने चारा काटने हेतु पावर चैफ कटर खरीदा जिस पर मु> रू0 20000.00 का अनुदान भी प्राप्त हुआ। उर्द के अन्य निवेशों के क्रय पर भी मु> अनुदान प्राप्त हुआ। धान के स्थान पर उर्द बोने से हुए लाभ से मै अत्यंत प्रसन्न हूॅ।

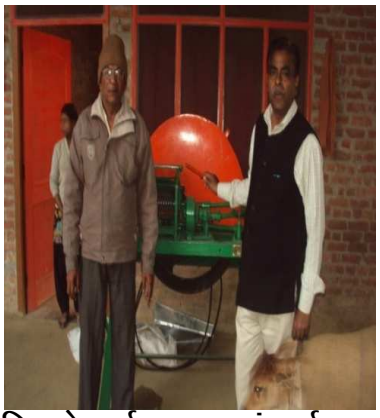

पिछले वर्ष धान एवं वर्ष 2015–16 मे उर्द की फसल से प्रति हेक्टेयर लाभ का तुलनात्मक विवरणः–

फसल	आय (रू0)	लागत मूल्य (रू0)	शुद्ध आय (रू0)
धान **कुल उत्पादन**–53 कु0/ हे0	रू0 84800.00 @Rs1600 प्रति कु0	रू0 38600.00	रू0 46200.00
उर्द **कुल उत्पादन**–12.5 कु0/हे0	रू0 111250.00 @Rs 8900 प्रति कु0	रू0 9800.00	रू0 101450.00
धान की तुलना मे उर्द की फसल से प्रति हे0 अतिरिक्त आय			रू0 55250.00

डास्प के माध्यम से मशीन क्रय करने से अतिरिक्त लाभ (रू0 प्रति वर्ष):–

मैने पावर चैफ कटर का क्रय किया था जिस पर मु> रू0 20000.00 का अनुदान प्रदान किया गया। मशीन क्रय के पूर्व चारा कटाई हेतु प्रतिदिन मेरे लगभग रू0 125.00 व्यय होते थे, जिसकी बचत एवं बिजली के व्यय को घटाते हुये लगभग रू0 28000.00 का अतिरिक्त लाभ मु> प्रतिवर्ष हो रहा है।

कृषक का नाम :श्रीमती शीला देवी
पिता/पति का नाम :श्री सुम्मेरी
ग्राम :बुद्धपुर

विकास खण्ड :शाहबाद
जनपद :रामपुर
मोबाईल नं : 9690733783
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0):0.97 हे0
प्रदर्शन का क्षेत्रफल :0.238 हे0

सफलता की कहानी–24
(उर्द प्रद□न लाभार्थी)

मेरा नाम विद्या देवी है मेरा चयन उर्द क्लस्टर प्रदर्शन 2015–16 में किया गया। मु> उर्द बीज (आजाद–2) उपलब्ध कराया गया। मु> विस्तृत रूप से धान के स्थान पर उर्द बोने के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ बताए गये। मैने चारा काटने हेतु पावर चैफ कटर खरीदा जिस पर रू0 20000.00 का अनुदान भी मु> प्राप्त हुआ। उर्द के अन्य निवेशों के क्रय पर भी मु> अनुदान प्राप्त हुआ। धान के स्थान पर उर्द बोने से हुए लाभ से मै अत्यंत प्रसन्न हूॅ।

पिछले वर्ष धान एवं वर्ष 2015–16 मे उर्द की फसल से प्रति हेक्टेयर लाभ का तुलनात्मक विवरणः–

फसल	आय (रू0)	लागत मूल्य (रू0)	शुद्ध आय (रू0)
धान **कुल उत्पादन**–56 कु0/ हे0	रू0 81200.00 @Rs1450 प्रति कु0	रू0 36700.00	रू0 44500.00
उर्द **कुल उत्पादन**–13 कु0/हे0	रू0 117000.00 @Rs 9000 प्रति कु0	रू0 8800.00	रू0 108200.00
धान की तुलना मे उर्द की फसल से प्रति हे0 अतिरिक्त आय			रू0 63700.00

डास्प के माध्यम से मशीन क्रय करने से अतिरिक्त लाभ (रू0 प्रति वर्ष):–

मैने पावर चैफ कटर का क्रय किया है जिस पर मु> रू0 20000.00 का अनुदान प्रदान किया गया। मशीन क्रय के पूर्व चारा कटाई हेतु प्रतिदिन मेरे लगभग रू0 150.00 व्यय होते थे, जिसकी बचत एवं बिजली के व्यय को घटाते हुये लगभग रू0 30000.00 का अतिरिक्त लाभमु> प्रतिवर्ष हो रहा है।

कृषक का नाम : श्रीमती विद्या देवी
पिता/पति का नाम : श्री रन सिंह
ग्राम : हिम्मतपुर
विकास खण्ड : शाहबाद
जनपद : रामपुर
मोबाईल नं0 : 8941815041
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) : 3.6 हे0

प्रदर्शन का क्षेत्रफल : 1.50 हे0

सफलता की कहानी–25
(स्ट्रा–रीपर लाभार्थी)

मेरा नाम कमलजीत कौर है। मेरे यहॉ गेहूँ की फसलकी कटाई, अन्य किसानों की भाँति, कम्बाइन द्वाराकराई जाती थी जिसमें कटाई उपरान्त फसल अवशेषों को जला कर नष्ट कर दिया जाता था। यूपीडास्प द्वारा विकास खण्ड बिलासपुर में आयोजित, एक गोष्ठी में मैं उपस्थित थी। वहॉ डा0 शिव सिंह जिला परियोजना समन्वयक, यूपीडास्प, रामपुर द्वारा, फसल अवशेष को खेत में जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में बताया जा रहा था एवं फसल अवशेषों को पशुओं हेतु उपयोगी भूसे में परिवर्तित करने वाली मशीन स्ट्रा–रीपर के क्रय पर अनुदान की जानकारी दी जा रही थी।

जिला परियोजना समन्वयक द्वारा दी गई जानकारी से प्रभावित होकर मैने भी रीपर खरीदने का निर्णय किया और दिनांक 03.03.2016 को रीपर अनुदान हेतु आनलाइन आवेदन कर समस्त प्रपत्र यूपीडास्प कार्यालय में जमा करा दिया। मु> यूपीडास्प से मोबाइल पर रीपर के अनुदान स्वीकृति की सूचना प्राप्त हुई। इसके पश्चात् दिनांक 20.03.2016 को मैने रीपर का क्रय मे0 गुरनानक एग्रीकल्चर स्टोर बिलासपुर से रू0 2,40,000.00 में करते हुये बिल यूपीडास्प कार्यालय में जमा करा दिया। रीपर का सत्यापन कराने के उपरान्त दिनांक 28.03.2016 को रू0 44,000.00 का अनुदान मेरे बैंक खाते में यूपीडास्प द्वारा अन्तरित करा दिया गया।

मैने सर्वप्रथम अपने गेहूँ के फसल अवशेषों को रीपर से भूसा बनाया तथा इसके उपरान्त ग्राम एवं आसपास के ग्रामों के कृषकों के फसल अवशेषों को भूसा बनाने हेतु रीपर किराये पर चलाया। चूँकि गेहूँ की कटाई एक साथ सभी कृषकों द्वारा की जाती है। अतः कम समय को देखते हुए 3 ड्राईवर रख कर 18 घंटे कार्य करने का निर्णय मेरे द्वारा लिया गया। मैने 25 मार्च से 15 अप्रैल 2016 तक कुल 20 दिन रीपर किराये पर चलाया और केवल 20 दिनों में ही प्राप्त लाभ से लगभग रीपर की पूरी कीमत वसूल हो गई।

मानकः–

- रीपर द्वारा 01 हे0 फसल का भूसा बनाने में लगभग 4.5 घंटे।
- ट्रेक्टर (55एच0पी0) की डीजल खपत लगभग 8 ली0 प्रति घंटे।
- भूसा उत्पादन लगभग 35 कुन्तल प्रति हेक्टेयर।
- रीपर का किराया लगभग रू0 600.00 प्रति घंटा।
- डीजल दर रू0 54 प्रति लीटर।

वास्तविक व्ययः

- रीपर का मूल्य –2,40,000.00
- डीजल व्यय–20दिन x18 घंटे x 8 x 54 = रू0 155520.00
- ड्राइवर पर व्यय–300प्रतिदिन x 20 x 3 = रू0 18000.00
- कुल व्यय– 240000+155520+18000 = रू0 413520.00

आयः

- किराए से आय–20दिन x18 घंटे x600 = रू0 216000.00
- एक माह की वास्तविक आय– रू0 216000.00

अन्य लाभ– कुल 360 घंटे रीपर चला कर 12600 कुन्तल भूसा का उत्पादन किया गया जिसका मूल्य रू0 51200.00 है।

मद	आय धनराशि	लागत मूल्य (परिचालन व्यय)	शुद्ध आय
18 घंटे प्रतिदिन के अनुसार 20 दिन का भूसा बनवाई पर उत्पादन लागत व आय/हे0	रू0 216000.00	रू0 173520.00	रू0 42480.00

प्रभावः

कृषकों को रीपर की उपयोगिता की जानकारी हुई तथा सम्भवतः यह एक अनूठा कार्य है जिसमें कृषक को एक माह में ही लगाई गई पूरी पूँजी वापस प्राप्त हो गई। यूपीडास्प के इस नवीन प्रयोग की प्रशंसा की जा रही है।

लाभार्थी का नाम	:	श्रीमती कमलजीत सिंह
पिता/पति का नाम	:	श्री हरजीत सिंह
ग्राम	:	पिपलिया
विकास खण्ड	:	बिलासपुर
जनपद	:	रामपुर
मोबाईल नं0	:	7351555000
यंत्र	:	रीपर
मूल्य रू0	:	2,40,000
अनुदान रू0	:	44,000

सफलता की कहानी–26
(उर्द प्रदर्शन लाभार्थी)

मेरा नाम दिनेश कुमार है मेरा चयनउर्द क्लस्टर प्रदर्शन 2015–16 में किया गया।मुझे उर्द बीज (आजाद–2) उपलब्ध कराया गया। मुझे विस्तृत रूप से धान के स्थान पर उर्द बोने के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभ बताए गये। मैने चारा काटने हेतु पावर चैफ कटर खरीदा जिस परमुझे रू0 20000.00 का अनुदान भी प्राप्त हुआ। उर्द के अन्य निवेशों के क्रय पर भी मुझे अनुदान प्राप्त हुआ। धान के स्थान पर उर्द बोने से हुए लाभ से मै अत्यंत प्रसन्न हूँ।

पिछले वर्ष धान एवं वर्ष 2015–16 मे उर्द की फसल से प्रति हेक्टेयर लाभ का तुलनात्मक विवरणः–

फसल	आय (रू0)	लागत मूल्य (रू0)	शुद्ध आय (रू0)
धान **कुल उत्पादन**–50 कु0/ हे0	रू0 75000.00 @Rs1500 प्रति कु0	रू0 37500.00	रू0 37500.00
उर्द **कुल उत्पादन**–11 कु0/हे0	रू0 99000.00 @Rs 9000 प्रति कु0	रू0 9600.00	रू0 89400.00
धान की तुलना मे उर्द की फसल से प्रति हे0 अतिरिक्त आय			रू0 51900.00

डास्प के माध्यम से मशीन क्रय करने से अतिरिक्त लाभ (रू0 प्रति वर्ष):–

मैने पावर चैफ कटर का क्रय किया, जिस पर मुझे रू0 20000.00 का अनुदान प्रदान किया गया। मशीन क्रय के पूर्व चारा कटाई हेतु प्रतिदिन लगभग रू0 100.00 व्यय होते थे, जिसकी बचत एवं बिजली के व्यय को घटाते हुये लगभग रू0 20000.00 का अतिरिक्त लाभ मुझे प्रतिवर्ष हो रहा है।

कृषक का नाम : श्री दिनेश कुमार
पिता/पति का नाम : श्री रन सिंह
ग्राम : हिम्मतपुर
विकास खण्ड : शाहबाद
जनपद : रामपुर
मोबाईल नं0 : 8941815041
कुल जोत (क्षेत्रफल हे0) : 1.26 हे0

प्रदर्शन का क्षेत्रफल : 0.50 हे0